RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 38 अंक 43 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 3 अप्रैल 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिय,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

G20 भारत 2023 INDIA

रफूगर

केशव भट्ट

एक बादशाह ने रफूगर रखा हुआ था, जिसका काम कपड़ा रफू करना नहीं बल्कि बातें रफू करना था.!!

बादशाह जब कभी बड़ा बड़ा फेंकता, रफूगर उसे अपने दिमाग और तर्क शक्ति से सही साबित करने की कोशिश करता।

एक दिन बादशाह दरबार लगाकर जनता को अपनी शिकार की कहानी सुना रहे थे। अचानक कहानी सुनाते हुए बादशाह जोश में आकर बोले- एक बार तो ऐसा हुआ कि मैंने आधे किलोमीटर से निशाना लगाकर जो एक हिरन को तीर मारा तो तीर सनसनाता हुआ हिरन की बाईं आँख में लगकर दाएं कान से होता हुआ पिछले पैर के दाएं खुर में जा लगा।

जनता ने कोई वाहवाही नहीं की क्योंकि कोई भी इस बात पर यकीन करने को तैयार ही नहीं था ।

उधर बादशाह भी समझ गया कि उसने जरूरत से ज्यादा लम्बी छोड़ दी.. और फिर वो अपने रफूगर की तरफ देखने लगा, उसके बाद रफूगर उठा और कहने लगा.. हजरात, मैं इस वाकये का चश्मदीद गवाह हूँ, दरअसल बादशाह सलामत एक पहाड़ी के ऊपर खड़े थे और हिरन काफी नीचे था, हवा भी मुआफिक चल रही थी, वरना तीर आधा किलोमीटर कहाँ जाता है... जहाँ तक बात है 'आँख', 'कान' और 'खुर' की, तो अर्ज कर दूँ , जिस वक्त तीर लगा था उस वक्त हिरन दाएं खुर से दायाँ कान खुजला रहा था,

इतना सुनते ही जनता जनार्दन ने दाद के लिए तालियां बजाना शुरू कर दीं और बादशाह की वाह वाही होने लगी।

अगले दिन रफूगर अपना बोरिया बिस्तरा बांधकर जाने लगा...

बादशाह ने परेशान होकर पूछा, कहाँ चले?

रफूगर बोला.. बादशाह सलामत गुस्ताखी माफ, मैं सिर्फ छोटी मोटी रफूगिरी कर लेता हूँ, शामियाना सिलवाना हो तो भारतीय मीडिया वालों से सम्पर्क करें !!

जी-20 के बहाने उत्तराखण्ड को बड़ा मौका

कार्यालय प्रतिनिधि

रामनगर(नैनीताल)। जी-20 सम्मेलन के बहाने इस बार उत्तराखण्ड को बड़ा मौका मिल गया। विज्ञापनों की बहान से शुरु हुआ आयोजन अपना सबकुछ दिखा देने को आतुर लग रहा था। रंगोली-पिछोड़ा पहने मेहमानों का स्वागत का नजारा हो या सड़क पर पहाड़ की सांस्कृतिक झलक दिखाती दीवारें हों या परोसा जा रहा व्यंजन हो या गीत-संगीत हो।

आयोजन को लेकर नैनीताल और उधमसिंह नगर का प्रशासन मुस्तैद था और किसी भी प्रकार की चूक न हो इसके लिये करोड़ों रुपया खर्च करने के साथ ही कई दिन की मेहनत की गई। गोलमेज सम्मेलन में देश-विदेश के 58 प्रतिनिधि पहुँचे थे। यहाँ चीफ साईंटिफिक एडवाइजर्स की बैठक में 6 प्रमुख विषयों पर मंथन किया गया। महामारी और रोग नियन्त्रण के लिये चिन्तन और मंथन ढिकुली स्थित ताज रिजार्ट में किया गया। इससे पहले सीएम पुष्कर सिंह धामी रामनगर में होने से आयोजन की तैयारी देखने पहुँचे और कहा- जी-20 समिट गौरव की बात है। उत्तराखण्ड की संस्कृति, विशेषताओं और कार्बेट पार्क को देश-दुनिया के लोग जानेंगे।

इस भव्य आयोजन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोती ने कहा कि भारत का जी-20 एजेंडा समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई उन्मुख और निर्णायक है। हमें मानव केन्द्रित वैश्वीकरण के लिये एक नए प्रतिमान को आकार देने के लिये मिलकर काम करना है।

सम्मेलन में मुख्य रूप से मनुष्यों के साथ पर्यावरण और जानवरों की सेहत पर चर्चा हुई। इसके लिये 51 अधिकारियों को लेकर स्लाइस जेट का विशेष 72 सीटर बंबाडियर विमान पन्तनगर एयरपोर्ट पहुँचा था। सम्मेलन में यूनाइटेड किंगडम के सर्वाधिक 5, रूस और साउथ अफ्रिका से 4-4, यूरोपियन यूनियन और सउदी अरब से 3-3, नाइजीरिया, फ्रांस, इटली, यूएसए, कनाडा और चीन से 2-2 डेलीगेट सम्मेलन में शामिल होने पहुँचे। कोरिया, जापान, स्पेन, नीदरलैंड, ब्राजील से भी प्रतिनिधि सम्मेलन में थे। 18 भारतीय डेलीगेट इसमें शामिल हुए।

कुल मिलाकर जी-20 की जबर्दस्त कवरेज मीडिया में हुई है और उत्तराखण्ड के रामनगर का नाम फैला है। कला-संस्कृति के प्रतीक देशी-विदेशी मेहमानों को देखने को मिले।

उमेश डोभाल स्मृति समारोह चमियाला में होगा, सम्मान-पुरस्कारों की घोषणा

पौड़ी प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला उमेश डोभाल स्मृति समारोह इस बार 8-9 अप्रैल को चमियाला (टिहरी) में सम्पन्न होगा। ट्रस्ट द्वारा चमियाला में स्थानीय आयोजकों के साथ मिलकर इसकी तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं। ट्रस्ट की बैठक में प्रतिवर्ष दिये जाने वाले सम्मान और पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। इस वर्ष का उमेश डोभाल स्मृति सम्मान जनसंघर्षों के लोक कल्याण के लिये समर्पित जोशीमठ बचाओ अभियान के संयोजक अतुल सती को दिया जायेगा। उमेश डोभाल स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रिंट मीडिया टनकपुर के हिमांशु जोशी को दिया जायेगा। ट्रस्ट द्वारा ऑनलाइन बैठक के बाद सम्मान और पुरस्कारों की घोषणा की गयी। ट्रस्ट के अध्यक्ष गोविन्द पन्त 'राजू' ने बताया कि अनेक नामों की चर्चा के बाद निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 2023 का उमेश डोभाल डोभाल स्मृति सम्मान अतुल सती (जोशीमठ) को दिया जायेगा। ट्रस्ट द्वारा इस वर्ष का राजेन्द्र 'राजू' जनसरोकार सम्मान नैनीताल में शिप्रा कल्याण समिति के अध्यक्ष जगदीश नेगी को दिये जाने का निर्णय लिया गया। गिरीश तिवारी गिर्दा की सांस्कृतिक और जनगीतों की परम्परा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे युवा भास्कर भौर्याल (बागेश्वर) को दिया जायेगा। उमेश डोभाल स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार (इलेक्ट्रानिक मीडिया) के लिए कमलेश भट्ट (चम्पावत) एवं उमेश डोभाल स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार (सोशल मीडिया) के जगदीप सकलानी (देहरादून) को पुरस्कार देने की घोषणा की गई। बैठक में समारोह हेतु एक स्मारिका प्रकाशन का निर्णय लिया गया। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष विमल नेगी भी थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

उत्कृष्ट बनाने का लक्ष्य : इसके लिये मनपावन-मनभावन जरूरी

उत्तराखण्ड में धामी सरकार के एक साल पूर्ण होने पर सरकारी की उपलब्धियों पर आधारित कार्यक्रम हो रहे हैं। स्वयं सीएम सहित तमाम मंत्रियों व संगठन द्वारा एक साल को बेमिसाल बताया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग की प्रकाशित विकास पुस्तिका एवं साल नहीं मिसाल का विमोचन करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य उत्कृष्ट उत्तराखण्ड बनाना है। सीएम ने कहा कि आज हमारा उत्तराखण्ड उत्कृष्ट उत्तराखण्ड बनने की राह पर अग्रसर है। जनता जानती है कि कौन प्रदेश को विकास के पथ पर बढ़ा सकता है। कौन वंचितों को अधिकार दे सकता है। कौन युवाओं के सपने और अंत्योदय की परिकल्पना को सही आकार दे सकता है।

सीएम ही नहीं, सरकार के मंत्री-विधायक व पार्टी संगठन से जुड़े लोगों द्वारा साल को बेमिसाल बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। नकल विरोधी कानून के लिये बधाई दिये जाने के बड़े आयोजन जगह-जगह हो चुके हैं। केट कट चुके हैं और रैली भी निकाली गई है।

साल-दर-साल बेमिसाल होने ही चाहिये। चाहे कोई सरकार हो यदि वह जन भावनाओं को नजरअंदाज करेगी और छुटभैय्यों से घिरेगी तो निश्चित रूप से पतन होगा। यह भी सच है कि सरकार जिसकी हो उसका गुणगान प्रशासन करता है। सूचना विभाग की ओर से विकास पुस्तिका प्रकाशित होना नई बात नहीं है। इस विभाग का काम ही सरकार की बातों, उसके लक्ष्यों को प्रचार-प्रसार करना है। सरकार को अपनी पीठ थपथपानी ही है। संगठन को अपने नेता भले लगते हैं।

साफ मन से विचार किया जाए तो यह साफ दिखाई दे रहा है कि पुष्कर सिंह धामी बहुत दौड़धूप कर रहे हैं, वह बात अलग है कि इसमें विकास कितना हो रहा है। विपक्ष तो सरकार को पूरी तरह फेल बता रही है। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। प्रदेश का नेतृत्व करना इतना आसान नहीं है और मुखिया सबको खुश भी नहीं कर सकता है। ऐसे में देखा जाना चाहिये कि उसकी भावना क्या है, उसके विचार क्या हैं, जन सरोकारों से वह कितना जुड़ा है और चाटुकारों से कितना घिरा है।

प्रदेश-देश को उत्कृष्ट बनाने का लक्ष्य सत्ता और विपक्ष दोनों का है। ऐसे में एक-दूसरे की कमियां ही खोजना खास बात नहीं है। उन कार्यों को सराहना भी चाहिये जो प्रदेश-देश के लिये हितकारी हैं। यह सब तभी हो सकता है जब हमारे नेताओं और पार्टियों का मनपावन और मनभावन होगा। अब हो यह रहा है कि मनभावन के आगे दूसरे की सुनी ही नहीं जा रही है जबकि मनपावन होना पहली जरूरत है। इसलिये बच्चे
-बूढ़ा सभी जागें।

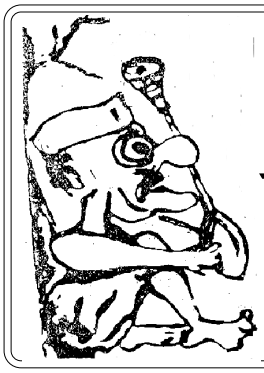

फसक

दाज्यू, विकास के लिये हरसम्भव प्रयास जरूरी ठैरे

शराब सस्ती होने से तस्करी पर लगाम लग जायेगी बल

दाज्यू, नववर्ष की शुभकामनाएं। विकास के लिये बहुत संकल्प हो चुके। अब बहार होने वाली है। उत्तराखण्ड में शराब भी सस्ती हो चुकी। शराब सस्ती होने से तस्करी पर लगाम लग जायेगी बल। हमारा भोलू भी बहुत खुश है, कह रहा है- 'इस बार नई दुकानें खुलने वाली हैं। दो-चार दुकानों के लिये दांव चलेगा।' दाज्यू, ये भूरा-पीला नशीला पानी वाकेई विकास की बुनियाद है। विकास के लिये हर सम्भव प्रयास जरूरी ठैरे। यहाँ तो बिना शराब के ही नशा रहता है, सोच रहे हैं पीने वाले कितने भाग्यशाली हैं। गल्फू बता रहा था- 'पीने के बाद नई उड़ान होती है। नए विचार उत्पन्न होते हैं। नई उमंग आती है।'

दाज्यू, गल्फू की सुनकर लग रहा है जमाने के हिसाब से हम बहुत पीछे चल रहे हैं। झम्म-झम्म औतरने का रिवाज अब कहाँ रहा? अब तो फरफराट होने वाला ठैरा। विकास के सारे रास्ते खुल चुके हैं बल। शासन ने नन्धौर और कैलाश नदी में 468 हेक्टेयर वन भूमि में उप खनिज बालू, रेता, बजरी, बोल्डर के चुनान स्वीकृति का खनन पट्टा का नवीनीकरण 5 वर्ष के लिये बढ़ा दिया है।

दाज्यू, दुनिया से आतंक सफाए की तैयारी हो रही है लेकिन आतंकी अपने विकास की सोच रहे हैं। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह खालसा तराई में सक्रिय हो गया है बल। उधमसिंह नगर हाईअलर्ट है इस समय। सम्वेदनशील श्रेणी में गिनते हुए 5 थानों में अतिरिक्त पीएसी तैनात कर दी गई है। रिजर्व कम्पनी भी तैयार है। सोशल मीडिया पर भी निगरानी है कि कहीं कोई गड़बड़ न करे। राज्य की सीमाओं पर चैकिंग अभियान चल रहा है। दाज्यू, दुनिया चट करने की सोचने वाले शान्ति क्यों नहीं पसन्द करते हैं? जी-20 का जोर चल रहा है.....इन्हें समझना चाहिये कि खून-खच्चर अच्छी बात नहीं है।

दाज्यू, हम तो जी-20 के आयोजन से पहले इसका सपना देख रहे थे तभी पता चला कि राहुल गांधी की संसद की सदस्यता समाप्त कर दी गई है। राहुल को सरकारी बंगला खाली करने के लिये लोकसभा की आवासीय समिति ने नोटिस भी तुरन्त दे डाला। दाज्यू, देश में हो रहे गदर-गोल को समझना कठिन हो गया है। महापुरुषों का नाम लेकर सब ऐंठे जा रहे हैं। आने वाले दिनों में क्या होने वाला है? कांग्रेसियों ने जगह-जगह जबर्दस्त प्रदर्शन किये हैं। पार्टी कह रही है सरकार तानाशाह बन चुकी है। सांसद में भी खूब हंगामा मच गया। विपक्षी काले कपड़े पहन कर आ गये।

दाज्यू, हमारी कुछ समझ नहीं आ रहा है। इसलिये बदरी-केदार जा रहे हैं। सुना है वीआईपी दर्शन के लिये 300 रुपये देने पड़ेंगे।

खटीमा में जुनेजा एग्राम इंडस्ट्रीज के स्वामी से डाकपत्र के द्वारा 3.5 बिटक्वॉइन की रंगदारी मांगी गई है। जान से मारने की धमकी से कारोबारी सहमा हुआ है। पत्र के साथ 32 बोर का कारतूस भी मिला। पुलिस जाँच-पड़ताल में लगी है। दाज्यू, क्या कहें क्या न कहें? क्याप्प हो रहा है कहा। बहराइच की रहने वाली गायत्री ने हल्द्वानी में पुलिस से कहा है कि उसे पति से जानमाल का खतरा है। रामनगर बाजार में एक बुजुर्ग का बैग लूटकर फरार हुए चार बदमाशों को रकम बांटते समय में पुलिस ने पकड़ा। गदरपुर में विजिलेंस ने रिश्वत लेते हुए प्रधान को गिरफ्तार किया। शौचालय दिलाने के नाम पर महिला प्रधान 6 हजार रुपये रिश्वत ले रही थी बल। दाज्यू, लेने वाले पता नहीं कितना इधर उधर कर जाने वाले ठैरे। भाजपा के हरिद्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी किरन सिंह पर अपनी ही सरकार ने जाँच की गाज गिरा दी है। इससे पहले भी कई बार हरिद्वार जिला पंचायत अध्यक्षों के खिलाफ जाँच हुई है।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

सज गया रामनगर

जी-20 के बहाने रामनगर शहर खूब सजाया गया। समारोह में आने वाले देश-विदेश के मेहमानों को दिखाने के लिये शासन प्रशासन ने जिस प्रकार से कमर कस ली थी, उसका परिणाम है कि रानीखेत रोड के सभी मकानों में रंगरोगन हो गया। इस रोड पर मकानों में एकरूपता के लिये रंगों का चयन करते हुए विशेष अभियान चलाया गया। विदेशी मेहमानों के स्वागत के लिये जगह-जगह पर तैयारी की गई थी। शहर की दीवारों पर पहाड़ से सम्बन्धित कलाकृतियों को भी बनाया गया है।

जारी किया गया ट्रैफिक प्लान

जी-20 समिट को लेकर रामनगर और कालाढूंगी का ट्रैफिक प्लान जारी किया था। इसमें रात दस बजे से सुबह 6 बजे तक ही भारी वाहनों के आवागमन की छूट रही। नवरात्र के चलते गर्जिया जाने वाले ट्रैक्टर-ट्राली और टाटा ऐस वाहनों पर रोक रही। सड़क के दोनों ओर वाहन पार्किंग पर भी रोक थी।

वैज्ञानिक सहालकारों की बैठक

जी-20 देशों के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकारों का गोलमेज सम्मेलन भी रामनगर में हुआ। इसमें जी-20 देशों तथा आमंत्रित देशों के वैज्ञानिक सलाहकारों ने भागीदारी की। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. ए.के.सूद ने बताया कि जी-20 की अध्यक्षता करते हुए भारत की पहल पर इस प्रकार के गोलमेज सम्मेलन की शुरुआत की गई। इसके तहत महामारियों की रोकथाम और पूर्व सूचना के लिए इन्सान एवं पशु स्वास्थ्य की पूर्व चेतावनी तथा मॉडलिंग की जा सकेगी।

छोलिया नृत्य और विणई-मुरली

जी-20 सम्मेलन में मेहमानों को रिझाने के लिये उन्हें उत्तराखण्ड की संस्कृति से परिचित कराने के लिये छोलिया नृत्य का इन्तजाम किया गया था। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम में विणई व मुरली वादन भी हुआ।

मेहमानों का टोपी पहनाकर स्वागत

पन्तनगर एयरपोर्ट में विदेशी मेहमानों का टोपी पहनाकर स्वागत किया गया। मेहमानों को टोपी (जिसे आजकल उत्तराखण्ड की टोपी कहा जा रहा है) पहनाने के साथ ही पहाड़ी व्यंजनों से स्वागत किया गया। जी-20 सम्मेलन के लिये विभिन्न देशों के वैज्ञानिक और अधिकारी पन्तनगर एयरपोर्ट पर उतरे, जिनके स्वागत के लिये पहले से तैयारी थी।

ऐपण कलाकृति भी जगह-जगह

आयोजन स्थल से लेकर जगह-जगह बनाई गई पेंटिंग में ऐपण कलाकृति भी दिखाई दे रही थी। तमाम प्रकार के चित्र व कलाकृतियों सहित इस आयोजन की तैयारी में 30 करोड़ से अधिक खर्च हुआ

पहाड़ी व्यंजन परोसे गये

कांफ्रेंस में शामिल अतिथियों के लिये सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा पहाड़ी व्यंजन परोसे गये। दो सौ प्रकार के व्यंजनों में उत्तराखण्ड के खानपान को विशेष रूप से परोसा गया। विदेशी मेहमानों का ध्यान रखते हुए विदेशी भोजन भी था।

संस्कृति की झलक रास्ते भर पेंटिंग में

आयोजन के लिये उत्तराखण्ड की संस्कृति को दिखाती पेंटिंग रास्ते भर पर दिखाई दे रही हैं। आयोजन को देखते हुए विशेष रूप से प्रमुख मार्ग पर पर्वतीय त्यौहारों, रीति-रिवाजों व कलाकृतियों के चित्रों को पेंटिंग के द्वारा जगह-जगह दीवारों पर बनाया गया था। जो आयोजन के लिये बनाई गई थी लेकिन इनका आकर्षण अब भी बना हुआ है। आयोजन के बहाने इतना तो हुआ ही है कि रामनगर में साफ-सफाई, रंगाई-पुताई, पेंटिंग इत्यादि का काम हो गया।

जंगल से सटे मार्गों पर वनकर्मी तैनात

आयोजन के दौरान वन विभाग की भी चुस्त तैयारी थी। आने वाले मेहमानों की सुरक्षा व सुख-सुविधा देखते हुए मार्ग पर पड़ने वाले जंगल में वन कर्मियों को तैनात किया गया था। रामनगर व आस पास फॉरेस्ट रेस्टहाउस को भी इस अवधि में खाली करवा दिया गया था। वन विभाग के भवनों को विशेष रूप से चमकाया गया था।

भारी फोर्स लगाई गई, हुआ मॉकड्रिल

जी-20 आयोजन को देखते हुए ढाई हजार से ऊपर सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिये गये थे। सुरक्षा का जिम्मा नैनीताल व उधमसिंह नगर जनपद के एसएसपी के नेतृत्व में था। आयोजन से पहले ही सारी तैयारियों के अलावा सुरक्षा कर्मियों और स्वास्थ्य विभाग की टीम का आयोजन स्थल पर मॉकड्रिल हुआ। मेहमानों के सामने कोई भी चूक न हो इसके लिये विशेष दस्ते तैनात थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

विचार

ग्लेशियर की निगरानी

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड के चमोली जिले की नीति घाटी में नन्दा देवी ग्लेशियर टूटने से बाढ़ का सामना कर रहा है। वैसे तो भारत में ग्लेशियर की वजह से नुकसान आम बात नहीं है, लेकिन फिर भी भारत सरकार हिमालय के ग्लेशियरों पर खास तौर पर निगरानी का काम देश की कई अनुसंधान संस्थाओं के जरिए करती है। लेकिन प्रमुख कार्य बेंगलुरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान के दिवेचा सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज ने किया है। कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक के भारतीय इलाकों में कुल 267 ग्लेशियर हैं जिन पर निगरानी रखने के साथ सम्बन्धित शोध हुए हैं। दुनिया के तीसरे ध्रुव के नाम से पहचाने जाने वाले हिमालय को लेकर जितनी जानकारी है उससे यह संकट खत्म होने से रहा क्योंकि न तो ज्यादा डेटा है और न ही रिसर्च। आर्कटिक और अंटार्टिका के बाद दुनिया का तीसरा ध्रुव इसी हिमालय क्षेत्र को हिन्दकुश भी कहते हैं। जो हिमालय क्षेत्र अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, किर्गिजस्तान, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान तक यानी लगभग 5 मिलियन वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला है।

विशेषताओं की बात करें तो इस पूरे क्षेत्र में सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न एक बड़ी आबादी रहती है। हाँ, यही वो अकेला क्षेत्र है जो ध्रुवीय क्षेत्रों से अलग बाहर की दुनिया में सबसे ज्यादा बर्फ इकट्ठा करता है इसीलिए इसको द थर्ड पोल भी कहते हैं। ऐसे में घूम फिरकर वही सच्चाई सामने आ जाती है कि हिमालय के ग्लेशियरों में जो चल रहा है उसकी क्या वजह है और उसे कैसे रोका जा सकता है? इस पर न तो कोई प्रमाणित शोध ही है और न ही पूरी गम्भीरता से कुछ किया गया दिखता है। हालांकि इस बार सर्दियों में यह हादसा हुआ है जिस पर कई लोगों को आश्चर्य होना स्वाभाविक है। यह भी सच है कि पिछले काफी दिनों से वहाँ पर मौसम बिगड़ा हुआ था और जबरदस्त बर्फबारी हो रही थी। हो सकता है कि इससे उस पूरे इलाके में फिसलन भी बढ़ गई हो जिसके चलते कोई बर्फ की चट्टान खिसक गई हो। लेकिन यह सब कयास ही हैं। चमोली का सच वैज्ञानिक शोध का विषय है। लेकिन सवाल वही कि कि हम हादसों से कब सीख लेंगे?

यूं तो ग्लेशियरों पर ग्लोबल वार्मिंग यानी जलवायु परिवर्तन के असर को लेकर लम्बे समय से और बेहद विस्तार से अध्ययन किया जा रहा है जिससे ही पता चला कि हिमालय के हिन्दुकुश क्षेत्र में पारा बढ़ रहा है जिससे वैश्विक तापमान की वृद्धि का असर ज्यादा ऊँचाई पर होने से हिमालय पर कुछ ज्यादा ही हो रहा है। फिर भी सब कुछ जानकर अनजान रहना और धीरे से बड़ी-बड़ी विपदाओं को भुला देना और फिर किसी नए हादसे की ओर चल पड़ना जहाँ भावी पीढ़ी के साथ-साथ पूरी मानव सभ्यता व उसी प्रकृति के साथ अन्याय है जिसने हमें यह जीवन दिया। काश इस हादसे के बाद प्रकृति का स्वाभाव, जलवायु परिवर्तन और धरती की तपन की सच्चाई समझ आ पाती! लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि पठारी इलाकों में तापमान बढ़ने से हवा ज्यादा आर्द्र यानी नम होती है। सर्दियों में बर्फ ज्यादा गिरती है जिससे बढ़ता वजन हिमस्खलन का कारण बनता है। वहीं गर्मियों में बारिश का पानी दरारों में लॉक हो जाता है? जिससे मिट्टी और बर्फ में फिसलन पैदा होती है और हिमस्खलन होता है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह बड़े कारण हो सकते हैं। लेकिन उससे भी ज्यादा यह कि ऐसी परिस्थितियां एकाएक क्यों निर्मित होने लगीं? जहाँ भू-गर्भीय, धरातल में होने वाली गतिविधियों की निगरानी और जानकारी के लिए जिस तरह से कई उपकरण और तंत्र हैं, काश ग्लेशियरों में होने वाली गतिविधियों को दर्ज करने के लिए भी ऐसे ही आर्टिफिसियल इण्टेलीजेन्स विकसित कर लिए जाते जो असम्भव नहीं है। दु:ख इस बात का है कि देश में ही नामी गिरामी तकनीकी संस्थाओं के बावजूद इस पर किसी का ध्यान हीं गया। वहीं पेरिस क्लाइमेट समझौता भी जल्द अमल में लाया जाता जिससे ग्लोबल वार्मिंग के बीच तापमान को 2 डिग्री तक कम किया जा सकता और डेढ़ डिग्री से ज्यादा न बढ़े यह व्यवस्था हो पाती। लेकिन ज्यादातर देशों ने संयुक्त राष्ट्र को इस पर अपनी कोई योजना ही नहीं दी है न ही अमल में लाया. काश इन सबसे भी ग्लेशियर क्षेत्रों में होने वाली बड़ी जन और धन हानियों को रोका सकता। हालिया शोध में यह बात सामने आई है कि गंगोत्री ग्लेशियर पर्यावरण में आए बदलाव के चलते हर साल 22 मीटर पीछे खिसक रहा है। जहाँ तक सब दूसरे सबसे बड़े ग्लेशियर का सवाल है, तो पिण्डारी ग्लेशियर 30 किमीमीटर लम्बा और 400 चौड़ा है। यह ग्लेशियर त्रिशूल, नन्दा देवी और नन्दाकोट पर्वतों के बीच स्थित है।

पर्यावरणीय बदलाव की वजह से फिलहाल हर साल ये ग्लेशियर कई मीटर तक पीछे खिसक रहे हैं। अति सम्वेदनशील ग्लेशियरों के टूटने, एकाएक पिघलने से उत्तर भारत में भयावह बाढ़ और तबाही की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उत्तराखण्ड में ऐसी करीब 50 ग्लेशियर झीलें खतरनाक स्थिति में हैं और इनका फटना तबाही का सबब बन सकता है। हिमालय के ग्लेशियरों के अध्ययन के लिए वर्ष 2009 में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान में सेंटर फॉर ग्लेशियोलाजी प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। इस प्रोजेक्ट को अब अचानक बन्द कर दिया गया है। केन्द्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने निर्णय कर लिया है कि इस सेन्टर को अब कोई बजट जारी नहीं किया जाएगा। विभाग के इस निर्णय से वाडिया संस्थान को बड़ा झटका लगा है और कहीं न कहीं इससे ग्लेशियरों पर किया जा रहा अध्ययन भी प्रभावित होगा।विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सेंटर फॉर ग्लेशियोलॉजी के लिए वर्ष 2009 में 23 करोड़ रुपये दिए थे। तब यह प्रोजेक्ट पाँच साल का था। जलवायु परिवर्तन के दौर में ग्लेशियरों की स्थिति पर अध्ययन की महत्ता को देखते हुए वर्ष 2014 में तय किया गया कि इसे हर साल एक्सटेंशन दिया जाएगा। तब से केन्द्र सरकार से सेन्टर में काम कर रहे विज्ञानियों व विभिन्न तकनीकी कायरें के लिए हर साल एक से डेढ़ करोड़ रुपये प्राप्त हो रहे थे। अब ग्लेशियरों पर अध्ययन के लिए विज्ञानियों को संस्थान के अल्प बजट पर निर्भर रहना है सेन्टर फॉर ग्लेशियोलॉजी की शुरुआत में अहम भूमिका निभाने वाले हिमनद विशेषज्ञ उनका कहना है कि नार्थ व साउथ पोल के बाद जिस हिमालय को थर्ड पोल माना जाता है, उसके ग्लेशियरों के अध्ययन का प्रोजेक्ट बन्द नहीं किया जाना चाहिए।

ग्लेशियर उत्तर भारत की प्रमुख नदियों के एक तरह के रिजर्व बैंक हैं और जलवायु के प्रति बहुत सम्वेदनशील है। जलवायु परिवर्तन का उन पर व्यापक असर होता है। दुनिया के अन्य ग्लेशियरों की तुलना में हिमालय के ग्लेशियरों के बारे में बहुत कम जानकारी और आंकड़े हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ये ग्लेशियर बहुत ही दुर्गम स्थानों पर हैं। इस अल्प अवधि में संस्थान ने दर्जनों ग्लेशियरों पर अध्ययन किया और ऐसे आंकड़े एकत्रित किए, जो किसी संस्थान के पास नहीं हैं।

गुंजी में कर सकेंगे याक की सवारी

धारचूला। उच्च हिमालय क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को याक की सवारी का मौका मिलेगा। हिमाचल की तरह गुंजी में भी इसके लिये तैयारी हो चुकी है। पशु पालन विभाग ने वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत याक खरीदने के लिये शासन को प्रस्ताव भेजा है। स्वीकृति मिलने के बाद याक खरीद होगी। याक की देखरेख युवक मंगल दल या महिला मंगल दल करेंगे। इस योजना के तहत धारचूला विकास खण्ड के 105000 फुट की ऊँचाई पर स्थित गुंजी गाँव को विकसित किया जायेगा। गाँव में अस्पताल सहित अन्य सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। चीन सीमा तक सड़क पहुँचने के बाद गब्र्याँग, नाभी, कुटी गाँव में पर्यटकों की सुविधा के लिये होम स्टे भी तेजी से विकसित हुए हैं।

उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी पंकज जोशी बताते हैं कि बाइब्रेंट योजना के तहत याक खरीदने का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों को स्वरोजगार से जोड़ना है। दूरस्थ क्षेत्रों में इस प्रकार के प्रयास व प्रयोग उपयोगी होंगे। इस बार गर्मियों में पर्यटकों की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है।

ज्योतिष की बातें - 120

6 अप्रैल 2023 को शुक्र ग्रह राहु को छोड़कर स्वराशि वृषभ में प्रवेश करेगा। शुक्र पर कोई पापदृष्टि भी नहीं होगी और इस समय शुक्र मार्गी भी है, उदित भी। अत: शुक्र अत्यन्त शुभ हो रहा है। फलदीपिका के अनुसार राहु छठवें, सातवें और दसवें स्थान के अतिरिक्त अन्य सभी स्थानों पर शुभ फल प्रदान करता है। अत: अगले 26 दिन शुक्र भौतिक सुख, प्रेम प्रकरण, काव्य रचना, स्वास्थ्य आदि अपने कारक विषयों में मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ व मीन राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा। अन्य तीन राशियों के लिए भी सामान्य फलदायक होगा।

शुक्र का यह गोचर केवल शुक्र के आधार पर लिखा गया है। व्यक्ति विशेष के लिए सूक्ष्म विवेचन उसकी जन्मकुण्डली, महादशा आदि पर निर्भर करता है।

हनुमान जयन्ती- चैत्र शुक्ल पूर्णिमा उदयव्यापिनी तिथि में हनुमान जयन्ती का पर्व मनाया जाता है। अत: गुरुवार 6 अप्रैल 2023 को हनुमान जयन्ती का पर्व सोल्लास मनाया जाएगा । सुन्दरकाण्ड का पाठ और हनुमान मन्दिर में ध्वजारोहण करना चाहिए।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार- 11

अकर्मण्यता अर्थात आवारागर्दी क्यों?

समाज के कल्याण के लिए सरकार के द्वारा बहुत सी योजनाएँ चलाई जाती हैं। जैसे- विवाह के लिये श्रमकार्ड से मुख्यमंत्री आदर्श विवाह योजना से 30 हजार और अन्तरजातीय कन्यादान योजना से ढाई लाख मिलता है। विवाह के बाद बच्चे का जन्म होने पर जननी सुरक्षा से डिलेवरी फ्री और साथ में 1500 रू का चेक और श्रमकार्ड में भगिनी प्रसूति योजना से 20 हजार रुपये मिलता है। बच्चों की पढ़ाई के लिये तो पढ़ाई, यूनिफार्म, किताबें और भोजन सब फ्री और श्रमकार्ड से मुख्यमंत्री नौनिहाल और मेधावी छात्रवृत्ति योजना में हर साल धनराशि। बीपीएल सूची में होने से फ्री एडमिशन और छात्रवृत्ति भी मिलती है। लड़की को सरकार से साइकिल, लड़के को लैपटाप मिलता है। इसके बाद माँ-बाप को वृद्धावस्था पेन्शन। एक रुपये किलो में पूरे महीने भर का चावल मिलता है। तीर्थयात्रा के लिए मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना। इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड से फ्री में पांच लाख तक का इलाज होता है। अन्त में माँ-बाप के मरने पर जलाने के लिये एक रु में विद्युत शवदाह गृह। पुन: अगली पीढ़ी के लिये शादी के लिये मुख्यमंत्री विवाह योजना आदि फ्री फण्ड फिर शुरू।

इतनी सारी योजनाओं के बाद अब नौजवानों को काम करने की क्या आवश्यकता है? इन योजनाओं के कारण ही समाज में आवारागर्दी बढ़ रही है। समाज में अकर्मण्यता फैलने से सम्पूर्ण देश की श्रमशक्ति का ह्रास होता है और अन्ततोगत्वा देश के विकास में बाधा उत्पन्न होगी ही। क्या कोई शासक कभी ऐसा आएगा जो सम्पूर्ण प्रजा को उसके गुण और स्वभाव के अनुसार उसके अपने-अपने कार्यों में नियोजित करेगा?

इस स्तम्भ में मैं अपने विचारों को प्रस्तुत करता हूँ। सभी का सहमत होना आवश्यक भी नहीं है। लेकिन जो व्यक्ति इन विचारों से सहमत हैं उनसे प्रार्थना है कि इन विचारों का किसी भी माध्यम से प्रचार-प्रसार अवश्य करें।

-सरल

लक्ष्य और चन्दन को देवभूमि उत्तराखण्ड रत्न अवार्ड। धीरेन्द्र, कमलेश, संदीप को उत्तराखण्ड द्रोणाचार्य पुरस्कार

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने भारतीय बेडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन सहित 6 खेल प्रतिभाओं को देवभूमि उत्तराखण्ड खेल रत्न, देवभूमि उत्तराखण्ड द्रोणाचार्य पुरस्कार और लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया।

खेल विभाग की ओर से परेड ग्राउण्ड में हुए समारोह में बेडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को खेल रत्न, एथलेटिक्स चन्दन सिंह को खेल रत्न, बेडमिंटन प्रशिक्षक धीरेन्द्र कुमार सेन, ताइक्वांडो प्रशिक्षक कमलेश तिवारी, तीरंताज प्रशिक्षक संदीप कुमार को द्रोणाचार्य पुरस्कार, सुरेन्द्र चन्द्र पाण्डे एथलेटिक्स को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया।

पत्रकार हरीश चंदोला को श्रद्धांजलि

देहरादून। जाने-माने पत्रकार हरीश चन्दोला का 26 मार्च 2023 को को नई दिल्ली में निधन हो गया। 94 वर्षीय चन्दोला कुछ समय से अस्वस्थ्य चल रहे थे। पत्रकारिता के क्षेत्र में खूब घूमे-रमे हरीश चन्दोला जोशीमठ अपने गाँव में ही रहना पसन्द करते थे। चीनी आक्रमण के समय 1948-50 में वह भेड़ पालकों के साथ पैदल तिब्बत गये। वहाँ से उनकी आँखों देखी रपटों ने भारत को सचेत किया। उन्होंने बताया कि चीन तिब्बत से होता हुआ भारत की ओर आ रहा है। पिघलता हिमालय परिवार स्व. चन्दोला को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मखमली बुग्यालों के लिये रवाना हुए भेड़ पालक

चमोली/उत्तरकाशी। केदारघाटी के सीमान्त गाँवों के भेड़ पालक छह माह सुरम्य मखमली बुग्यालों के प्रवास के लिये रवाना हो गये हैं। इस दौरान ग्रामीणों ने भावुक क्षणों के साथ भेड़ पालकों को विदा किया।

भेड़ पालकों के सुरम्य मखमली बुग्यालों के लिये रवाना होने पर देवकंडी भी भेड़ पालकों के साथ रवाना हो गई है। देवकंडी में भेड़ पालकों के अराध्य वराजमान रहते हैं।

6 माह बुग्यालों में प्रवास करने वाले भेड़ पालकों का जीवन किसी साधना से कम नहीं रहता है और प्रवास के दौरान ये लोग अनेक परम्पराएं को निभाते हैं। प्रवास करने के बाद भेड़ पालक दीपावली के निकट गाँवों को लौटते हैं। मदमहेश्वर घाटी बुरूवा गाँव के भेड़ पालक वीरेन्द्र सिंह घिरवाण बताते हैं कि चैत में फुलारी महोत्सव के बाद घौंघा विसर्जन के बाद भेड़ पालकों के मन में हिमालयी क्षेत्रों के लिये रवाना होने की लालसा तीव्र हो जाती है। प्रधान सरोज भट्ट, मदमहेश्वर घाटी के विकास मंच में पूर्व अध्यक्ष मदन भट्ट ने बताया कि केदार घाटी के सीमान्त गाँवों में भेड़ पालन की परम्परा युगों पुरानी है। वन विभाग के वन दरोगा आनन्द सिंह रावत कहते हैं कि भेड़ पालक व प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं। योगेन्द्र भट्ट ने बताया कि भेड़ पालक 6 माह बुग्यालों में प्रवास के दौरान सिदवा, बिदवा व क्षेत्रपाल की नित पूजा-अर्चना करते हैं। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य रामकृष्ण रावत, अवतार सिंह धिरवाण ने बताया कि भेड़ पालक दाती व लाई त्यौहार प्रमुखता से मनाते हैं। महिला मंगल दल अध्यक्ष चन्द्रकला देवी ने बताया कि भेड़ पालकों का गाँव से बुग्यालों की ओर गमन करने का समय बड़ा भावुक होता है।

भेड़ पालकों के साथ देवकंडी भी रवाना। इसी में रहते हैं भेड़ पालकों के अराध्य

वाईपास दूसरे चरण का निर्माण कार्य जोरों पर

रुद्रप्रयाग। जिला मुख्यालय बाईपास के दूसरे चरण का निर्माण कार्य जोरशोर से शुरु हो चुका है। परियोजना के तहत रुद्रप्रयाग-पोखरी मोटर मार्ग से बेलनी के पास सुरंग के लिए प्रारम्भिक काम पूरा होने के बाद सुरंग खोदने का कार्य शुरु हो गया है। परियोजना में 900 मीटर लम्बी सुरंग के साथ ही अलकनन्दा नदी पर मोटरपुल का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है। इसके लिये एनएच लोनिवि ने ढाई वर्ष में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

वर्ष 2003-2004 में केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय से रुद्रप्रयाग शहर की भौगोलिक परिस्थिति को देखतेह हुए रुद्रप्रयाग बाईपास के निर्माण की स्वीकृति प्रदान मिली थी। बाईपास के प्रथम चरण का कार्य स्वीकृति के शीघ्र बाद शुरु हो गया था। लेकिन दूसरे चरण के लिये बजट की स्वीकृति न मिलने से निर्माण कार्य शुरु नहीं हो पा रहा था। गौरीकुण्ड हाईवे पर लानिवि कालोनी के पास से सुरंग का निर्माण कार्य रुद्रप्रयाग चोपता-पोखरी मोटरमार्ग व बेलनी के पास तक 900 मीटर लम्बी सुरंग का निर्माण के साथ ही अलकनन्दा नदी पर 190 मीटर लम्बा पुल का निर्माण कर बद्रीनाथ हाईवे से जुड़ना है। इसकी अब तैयारी हो चुकी है।

सुरंग निर्माण के लिये एक ओर से प्रारम्भिक कार्य पूरा होने के बाद सुरंग काटने का कार्य शुरु हो चुका है। इसी प्रकार दूसरी ओर से प्रारम्भिक कार्य होने के बाद सुरंग कटान शुरु किया जायेगा। बाईपास निर्माण कार्य होने के बाद केदारनाथ से आने वाले यात्री नगर से सीधे बाईपास के माध्यम से बद्रीनाथ हाईवे की ओर जा सकते हैं। साथ ही बद्रीनाथ से आने वाले यात्री भी सीधे केदारनाथ हाईवे से आसान यात्रा कर सकेंगे।

रुद्रप्रयाग-पोखरी मोटरमार्ग में बेलनी के पास सुरंग के लिये प्रारम्भिक काम पूरा

बौकांग-बालिंग जलविद्युत परियोजना का विरोध, दारमा घाटी के लोग सड़कों पर उतरे

पिथौरागढ़/धारचूला। दारमा घाटी में प्रस्तावित बौकांग बालिंग जलविद्युत परियोजना के विरोध में सीमान्त में गुस्सा है। दारमा घाटी के लोग प्रदर्शन करते हुए सड़क पर उतर चुके हैं। उन्होंने जुलूस निकालकर टीएसडीसी वापास जाओ के नारे लगाए। जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर परियोजना को रद्द करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि क्षेत्रवासियों की सुनवाई नहीं हुई तो आन्दोलन उग्र किया जायेगा।

दारमा संघर्ष समिति के बैनर तले ग्रामीणों ने धारचूला से 90 किमी दूर जिला मुख्यालय पहुँचकर अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने 165 मेगावाट की प्रस्तावित बौकांग-बालिंग जल विद्युत परियोजना के विरोध में अधिसूचित धरना स्थल से कलक्ट्रेट तक जुलूस निकाला। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जोशीमठ की घटना के बाद दारमा घाटी के लोग सहमे हुए हैं। आरोप लगाया कि टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि. बालिंग में जल विद्युत परियोजना बनाने की तैयारी कर रहा है। जिसके टेस्टिंग के लिये 30 मीटर टनल भी खोदी गई है।

ग्रामीणों ने कहा कि दारमा घाटी के कई गाँव पहले से ही आपदा की मार झेल रहे हैं। ऐसे में जल विद्युत परियोजना के बनने से घाटी में आपदा का खतरा बढ़ जाएगा। प्रदर्शन के दौरान संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष इन्द्र सिंह ग्वाल, मनोज नगन्याल, विरेन्द्र ग्वाल, नरेन्द्र ग्वाल, सरस्वती देवी, सरिता देवी, भागीरथी, सुनीता मार्खाल ने भी सम्बोधित किया।

समाजसेवी शकुन्तला दताल का कहना है कि सरकार लोगों के विरोध के बाद भी दारमा में जलविद्युत परियोजना बनाने की तैयारी कर रही है। यदि नहीं माने तो आन्दोलन बढ़ता चला जाएगा।

परिक्रमा

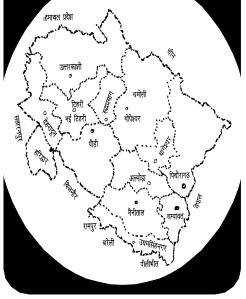

काश्तकारों ने सीखे जड़ी-बूटी खेती के गुर

गोपेश्वर। जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान में काश्तकारों को जड़ी-बूटी खेती के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

लाता-तपोवन कैट प्लान के तहत नन्दादेवी राष्ट्रीय पार्क जोशीमठ के तत्वावधान में काश्तकारों के प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। जड़ी बूटी खेती को प्रोत्साहित करने के लिए शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का अयोजन किया गया था। नीति-माणा औद्योगिक सांस्कृतिक एवं खेल विकास समिति के बैनर तले नीती, गमशाली, मेहरगाँव तथा मलारी के काश्तकारों ने जड़ी बूटी खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

नन्दादेवी वायोस्फियर रिजर्व के निदेशक निशान्त वर्मा ने कहा कि जड़ी बूटी के उत्पादन से ही काश्तकारों की आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी और सीमान्त क्षेत्र के लोगों के रोजगारपरक कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलेगा। नन्दा देवी राष्ट्रीय पार्क के डीएफओ वीवी मर्तोलिया ने कहा कि विभाग द्वारा कैट प्लान के तहत प्रशिक्षण और शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया। इससे काश्तकार हर्बल खेती से जुड़ कर आजीविका के संसाधनों को मजबूती देंगे।

एचआरडीआई के वैज्ञानिक डॉ. सी.पी. कुनियाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जड़ी-बूटी तथा औषधीय पादपों की खेती के जरिए काश्तकारों का भविष्य बेहतर बन सकता है। नीती माणा औद्योगिक सांस्कृति एवं विकास समिति के सचिव धीरेन्द्र सिंह गरोडिया ने कहा कि एचआइडीआई में आयोजित प्रशिक्षण काश्तकारों को जड़ी बूटी उत्पादों के विपणन की जानकारी देने में सफल रहा, इसका लाभ होगा।

लाता-पपोवन कैट प्लान के तहत नन्दादेवी राष्ट्रीय पार्क जोशीमठ के तत्वावधान में प्रशिक्षण हुआ

बांध झील से चिन्यालीसौड़ पर भूधंसाव का खतरा

उत्तरकाशी। टिहरी बांध परियोजना की झील से चिन्यालीसौड़ क्षेत्र के अन्तर्गत हो रहे भूधंसाव से हवाई पट्टी के समीप नेशनल हाईवे समेत स्कूलों व आवासीय भवनों पर दरारें उभर चुकी हैं। भूधंसाव से चिन्यालीसौड़ नगर क्षेत्र के साथ ही आसपास की बस्तियों पर भी खतरा दिख रहा है, ऐसे में सम्पूर्ण क्षेत्र दहशत में है।

नगर पालिका परिषद चिन्यालीसौड़ क्षेत्र के अन्तर्गत नागरिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हवाई पट्टी से ठीक नीचे लगभग 500 मीटर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पीपलमण्डी, चिन्यालीसौड़, नागणीसौड़, बड़ेथी तक लगभग पाँच किमी हिस्से में जगह-जगह सड़क में हो रहे भूधंसाव से खतरा बढ़ चुका है। लगातार हो रहे भूधंसाव से कई स्थानों पर आधा फुट तक जमीन धंसने लगही है, जिससे हवाई पट्टी सहित ऊर्जा निगम, वन विभाग, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, निजी व राजकीय विद्यालय भवन, बिलज्वाण मोहल्ला, चिन्यालीसौड़ बाजार, बाल्मीकि बस्ती, बड़ी-छोटी नागणी, हिटारा, पीपल मण्डी, कृषि विज्ञान केन्द्र, स्टेट बैंक, पीडब्लुडी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ऊर्जा निगम कार्यालयों, आवासीय भवनों सहित क्षेत्र के बहुत बड़े भू-भाग में तेजी से भू-धंसाव हो रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता सुमन बडोनी ने बताया कि चिन्यालीसौड़ नगर क्षेत्र की भूगर्भीय जाँच की मांग को लेकर वे कई बार विभागीय अधिकारियों व डीएम से भी मिल चुके हैं लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यदि एक माह के अन्तर्गत समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे शहर की सुरक्षा को लेकर सड़क पर आन्दोलन करेंगे। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष शूरवीर रांगड़, मनोज कोहली, पूनम रमोला, प्रधान संगठन के अध्यक्ष कोमल राणा, पूर्व प्रमुख रजनी कोटवाल, खीमानन्द बिलज्वाण, जिपंस अरविन्द लाल, मदनलाल बिलज्वाण, उर्बादत्त गैरोला ने टीएचडीसी के अधिकारियों से सुरक्षात्मक उपाय को कहा।

नेशनल हाईवे समेत भवनों और स्कूलों में पड़ी दरारें। भू गर्भीय जाँच की मांग

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

1 एक साल नई मिसाल

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

- प्रदेश की मातृ शक्ति के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार की नौकरियों में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण।
- लखपति दीदी योजना में वर्ष 2025 तक प्रदेश की 1.25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने की पहल।
- राज्य आंदोलनकारियों को 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का निर्णय।
- चारधाम और कांवड़ यात्रा में कुशल प्रबंधन से रिकॉर्ड संख्या में आए श्रद्धालु।
- केदारनाथ धाम और बदरीनाथ धाम की तर्ज पर मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कुमाऊं के पौराणिक और प्राचीन मंदिर क्षेत्रों में अवस्थापनात्मक विकास।
- वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक जिला दो उत्पाद योजना।
- स्टेट मिलेट मिशन, मंडुआ की न्यूनतम समर्थन कीमत 3574 रुपए प्रति क्विंटल पर खरीद।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में उत्तराखण्ड अग्रणी राज्य। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों के प्रतिभावान छात्रों के लिए मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना।
- टेली मेडिसिन के लिए 400 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 04 मेडिकल कॉलेज से जोड़ा गया।
- 06 एरोमा वैली विकसित करने की योजना। 50 हजार पॉलीहाउस से बदलेगी उद्यानिकी की तस्वीर। इसके लिए बजट में 200 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- मिशन दालचीनी, मिशन तिमरु प्रारंभ करने का निर्णय।
- नई खेल नीति से प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, खेल अवस्थापनात्मक सुविधाओं का विकास।
- उद्योगों को बढावा देने के लिए उत्तराखण्ड लॉजिस्टिक नीति, प्राइवेट इंडस्ट्रियल एस्टेट पॉलिसी।
- मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना में सब्सिडी बढ़ाकर 40 प्रतिशत की।
- नई पर्यटन नीति में स्वरोजगार को बढ़ावा, 100 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान।

> 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनो ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है।
>
> **नरेन्द्र मोदी**
> प्रधानमंत्री

मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी

केदारनाथ, बदरीनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री के साथ ही टनकपुर-पिथौरागढ़ की सड़क कनेक्टिविटी में सुधार के लिये चारधाम ऑलवेदर सड़क परियोजना पर तेजी से काम गतिमान।

दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड़, नजीबाबाद-अफजलगढ़ बाईपास के साथ ही सितारगंज से टनकपुर मोटरमार्ग को चार लेन में परिवर्तित करने की स्वीकृति।

केन्द्र सरकार से पौंटा साहिब-देहरादून, बनबसा-कंचनपुर, भानियावाला-ऋषिकेश, काठगोदाम-लालकुंआ-हल्द्वानी बाईपास और रुद्रपुर बाईपास परियोजनाओं की महत्वपूर्ण सौगात।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर तेजी से काम गतिमान।

गौरीकुण्ड-केदारनाथ और गोविंदघाट-हेमकुण्ट साहिब रोपवे का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया। पर्वतमाला परियोजना पर तेजी से काम गतिमान।

उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में भारत सरकार द्वारा 1202 मोबाईल टावर की स्वीकृति।

भर्ती माफिया पर कड़ा प्रहार, देश का सबसे सख़्त नकल विरोधी कानून।

जबरन और प्रलोभन से धर्मांतरण पर रोक के लिए सख्त कानून।

समान नागरिक संहिता के लिए मजबूती से बढ़े कदम।

अंत्योदय परिवारों को साल में तीन गैस रिफिल निःशुल्क।

> माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का होगा। उनके इस वाक्य ने उत्तराखण्डवासियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है। केन्द्र सरकार से राज्य को प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है। राज्य सरकार सरलीकरण, समाधान, निस्तारण और जनसंतुष्टि के मूलमंत्र पर चलते हुए अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के विकास, कल्याण और उन्नति के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम वर्ष 2025 तक देवभूमि को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
>
> **पुष्कर सिंह धामी**
> मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

handDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मेडिकल कालेज के लिए सांसद से गुहार

गौचर। व्यापार संघ गौचर ने मेडिकल कालेज समेत स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए सांसद से गुहार लगाई है। व्यापार संघ अध्यक्ष राकेश लिंगवाल ने गढ़वाल सांसद को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के उच्चीकरण, केन्द्रीय विद्यालय के नाम जमीन हस्तान्तरण, कर्णप्रयाग ऋषिकेश रेल लाइन निर्माण कार्य कर रही कम्पनी द्वारा जनसहयोग लिये जाने का आग्रह किया। विधायक ने कहा है कि गौचर में मेडिकल होने से पहाड़ को चिकित्सा के लिये बड़ी सहूलित होगी।

लैंड स्लाइड क्षेत्र में एसडीआरएफ तैनात

रुद्रप्रयाग। चारधाम के सकुशल संचालन के लिये लैंड स्लाइड क्षेत्र में एसडीआर एफ तैनात रहेगी। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने रुद्रप्रयाग पहुँचकर जिला प्रशासन के साथ यात्रा तैयारियों की समीक्षा की और पुलिस कर्मियों के साथ सम्वाद भी किया। डीजीपी ने कहा कि श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराये जाने के लिये क्षेत्र को सेक्टरों में विभाजित कर अनुभवी निरीक्षकों को तैनात किया जा रहा है।

व्यापारियों को वेडिंग जोन में बसाया जाएगा

रुद्रपुर। एनएच-87 किनारे हाईवे से उजाड़े गए व्यापारियों को वेडिंग जोन में बसाने पर विचार चल रहा है। डीएम के साथ विधायक और व्यापारियों की बैठक में इस विषय पर चर्चा हुई। रूपरेखा बनाई गई कि विकास प्राधिकरण, राजस्व विभाग, नगर निगम के साथ ही प्रभावित व्यापारियों की कमेटी मिलकर वेडिंग जोन की जगह चिह्नित करेगी। बताते चलें कि जी-20 के आयोजन से पूर्व प्रशासन ने हाईवे किनारे अतिक्रमण सख्ती से हटाए तो राजनीति गर्मा गई।

मुनस्यारी में टैक्सी चालक की संदिग्ध मौत का मामला

न्याय के लिये गुहार ताकि फिर कभी ऐसा न हो

मुनस्यारी में 20 मार्च 2023 को युवक की संदिग्ध मौत हो गई। मामले में कहानी अपने-अपने तरीके से गढ़ी जा रही है लेकिन क्षेत्रवासियों व मृतक के परिजनों ने न्याय की गुहार लगाते हुए कहा है कि युवक की मौत पर न्याय मिलना चाहिये ताकि फिर कभी ऐसा न हो।

जोशा निवासी धर्मेन्द्र सिंह ने 21 मार्च को मुनस्यारी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह और खीम सिंह उर्फ कब्बू टैक्सी से सोमवार की देर शाम मुनस्यारी की ओर आ रहे थे। दो नेपाली नागरिकों का फोन आने के बाद वह मटेना के पास वाहन रोककर उनका इन्तजार करने लगे। उस दौरान मटेना और हरकोट गाँव के सरपंच वन विभाग के दो कर्मियों और पुलिस के दो जवानों को लेकर मौके पर आए। आरोप लगाया कि कि बातचीत के दौरान उन्होंने खीम सिंह उर्फ कब्बू को पीट दिया, इससे उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट सौंपते हुए कहा कि मारपीट के बाद खीम सिंह का शव सीएचसी मुनस्यारी में पहुँचा दिया गया।

दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि लकड़ी तस्तकी की सूचना पर टीम मौके पर पहुँची, टीम को देखकर युवक भागने लगा और खाई में गिरने से मौत हो गई।

फिलहाल इन दो अलग-अलग बातों की सच्चाई तो जाँच के बाद स्पष्ट हो जायेगा। इस घटना के बाद अस्पताल, थाना, एसडीएम कार्यालय में जमकर हंगामा हुआ। बड़ी संख्या में पूरे इलाके के लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस और वन कर्मियों पर युवक की हत्या का आरोप लगाते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग करने लगे। घटना के 24 घण्टे बाद देर शाम पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिये जिला मुख्यालय भेजा जा सका। जनाक्रोश देखते हुए आरोपित वन और पुलिस कर्मियों को हिरासत में लेते हुए मुनस्यारी में बाहर से अतिरिक्त पुलिस तैनात कर दी गई। अगले दिन मुख्यालय में चार डाक्टरों के पैनल में पुलिस की मौजूदगी में पोस्टमार्टम हुआ। मुख्यालय में डीएम और एसपी भी पहुँचे। यहाँ भी मृतक के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। डीएम और एसपी ने परिजनों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पूरे मामले की शुरुआत 20 मार्च की रात्रि से है। मुनस्यारी के हरकोट, मटेना के जंगल से लकड़ी की चोरी की सूचना वन विभाग को मिली। वन क्षेत्राधिकारी द्वारा डिप्टी रेंजर व वन दरोगा को मौके को भेजा गया, उनके साथ पुलिस के दो जवान भी मौके को रवाना हुए। मौके पर मटेना, हरकोट के सरपंच, ग्रामीण व लकड़ी लदी पिकअप का चालक 23 वर्षीय खीम सिंह उर्फ कबीन्द्र सिंह उर्फ कब्बू जोशाल पुत्र देव सिंह निवासी जोशा गाँव मिले। विभागीय टीम का कहना है कि जब खीम सिंह से लकड़ी चोरी के सम्बन्ध में पूछते हुए चाबी मांगी तो उसने मना कर दिया। बाद में वाहन में चढ़ा और कूद मारकर भाग गया। रात के अन्धेरे में कुछ मीटर आगे उसने खाई में कूद मार दी। उसका सिर चट्टान से टकराया। पुलिस और वन कर्मी उसे सीएचसी मुनस्यारी लाए, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरी ओर गाँव के ही चालक धर्मेन्द्र सिंह ने पुलिस को सौंपी रिपोर्ट में कहा कि खीम सिंह की पुलिस और वन कर्मियों ने हत्या की है। बताया कि वह जोशा से अपने वाहन से आ रहा था। उसके साथ दो नेपाली भी थे। इसी दौरान मटेना और हरकोट के सरपंच, वन विभाग के दो कर्मचारी त्रिलोक राणा और रमेश राणा, पुलिस कर्मी सुनील सिंह, मनोज भट्ट आए। बहस के बाद वे खीम सिंह से मारपीट करने लगे, जिससे उसकी मौत हो गई। पूरे प्रकरण में समानान्तर दो कहानी चल रही हैं। सच क्या है? खीम सिंह की मौत कैसे हुई? क्या सीमान्त की वादियों में जंगल चोर सक्रिय हैं? सवालों के साथ पड़ताल जारी है।

बागेश्वर-पिथौरागढ़ सड़क पर उडियारी से काण्डा डलल लेन होगी

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने बागेश्वर पिथौरागढ़ के बीच उडियारी से काण्डा तक की सड़क डबल लेन करने के लिये बजट स्वीकृत किया है। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पर पर इसकी घोषणा करते हुए बताया कि बागेश्वर और पिथौरागढ़ जनपद में एनएच 309ए पर उडियारी मोड़ से काण्डा खण्ड के टू लेन सड़क के निर्माण और पुनर्वास के लिए वार्षिक योजना 2022-23 के लिए 348.56 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस हाईवे पर कार्य आरम्भ हो चुका है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस घोषणा के लिये केन्द्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

पंचकोसी यात्रा में जुटे हैं श्रद्धालुजन

उत्तरकाशी। प्रसिद्ध पंचकोसी वारुणी यात्रा के लिये श्रद्धालुजन जुटे हुए हैं। वरुणावत की परिक्रमा के साथ ही जगह-जगह मन्दिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी हुई है। मान्यता है कि पंचकोसी वारुणी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को 33 करोड़ देवी-देवताओं के दर्शन होते हैं और इस यात्रा को पूरी करने वाले हर श्रद्धालु की मनोकामना पूरी होती है। यह लगभग 14 किमी का पैदल ट्रैक है।

जू और रिंग रोड का निर्माण जरूरी- हृदयेश

हल्द्वानी। विधायक सुमित हृदयेश ने हल्द्वानी क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि शहर में 300 करोड़ की लागत से जू और रिंग रोड का निर्माण बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा आईएसबीटी का बनाया जाना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि 10 विकास योजनाओं का प्रस्ताव मुख्यमंत्री को दिया है, जिसकी लागत 1067 करोड़ रुपये है।

हल्द्वानी में खुलेगा प्रदेश का पहला खेल विवि

देहरादून। प्रदेश का पहला खेल विश्व विद्यालय हल्द्वानी में स्थापित होगा। सीएम पुष्कर धामी ने सैद्धान्तिक स्वीकृति दे दी है। खेल विवि के एक्ट, नियमावली बनोन का भी निर्णय लिया गया है। विषय विशेषज्ञ के रूप में स्वर्णिम गुजरात स्पोर्टस यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर की सेवाएं ली जाएंगी।

हाईकोर्ट हल्द्वानी होगा

उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय नैनीताल से हल्द्वानी स्थानान्तरित होगा। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने उच्च न्यायालय को स्थानान्तरित करने की सैद्धान्तिक मंजूरी दे दी है।

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारात घर
नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
मुनस्यारी
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi
Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

सप्ताह के पर्व

चैत्र शुक्ल पक्ष
3 अप्रैल- सोम प्रदोष व्रत
5 अप्रैल- पूर्णिमा व्रत
6 अप्रैल- हनुमान जयन्ती
9 अप्रैल- चतुर्थी व्रत

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)